शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 08/02/2023

सत्र - 2022-23

शा० जे०पी० वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बिलासपुर के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को शैक्षणिक परिभ्रमण के लिए डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय करगी रोड कोटा ले जाया गया। इस परिभ्रमण का उद्देश्य उनके पाठ्यक्रम शामिल 'छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य' है। इस भ्रमण के माध्यम से उन्हें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति से परिचय कराया गया। इस कार्यक्रम में स्नातकोत्तर के निम्नांकित छात्र/छात्राओं ने सहभागिता की।

स.क्र.	विद्यार्थी का नाम	हस्ताक्षर
(1)	पार्वती ओगारे	Parvati
(2)	Preeti sharma	Preeti
(3)	Saming Hussain	Samina
(4)	Sarita sahu	Sarita
(5)	Suman Singh	Singh
(6)	Kuleshwari Sahu	[illegible]
(7)	Shalini Kashyap	Shalini
(8)	TRINATH TANDAN	Trinath
(9)	Yuvraj Gaikhewal	[illegible]
(10)	दिवाकर साहू	दिवाकर साहू
11	नागेश्वर निर्मलकर	Nageshwar
12	राजकिरन	RAJKIRAN
13	विजयशंकर	विजयशंकर
14	विनय निर्मलकर	[illegible]
15	योगेन्द्र कुमार यादव	Yadav
16	युवराज	[illegible]

२०२३

Date
Page

क्र.क्र.	विद्यार्थी का नाम	हस्ताक्षर
17	उमा कोशले	Uma
18	संतोष कुमार साहू	[illegible]
19	ऋषभ दुबे	Rishabh Dubey
20	रोशनी जायसवाल	Rjaiswal
21	रोकेश्वरी डहरिया	[illegible]
22	प्रियंका सोनवानी	[illegible]
23	प्रयासचन्द्र रजक	[illegible]
24	फुलेश्वरी खांडे	[illegible]
25	किरण बेलदार	किरण बेलदार
26	मंगलचन्द	मंगलचन्द
27	नागेश्वर	नागेश्वर
28	ममता	Mamata
29	अनिता लहरे	Anita
30	जितेश पटेल	Patel
31	कांति सूर्यवंशी	Kanti
32	क्षमा पाण्डेय	[illegible]
33	लता	लता
34	दीपक कुमार	Deepak
35	दीपिका	दीपिका
36	निशा कौशिक	Neha Kaushik
37	पूनम साहू	Poonam
38	रंजीता कौशिक	Ranjeeta
39	सुरेन्द्र कुमार मधुकर	[illegible]
40	रूपकांत सूर्यवंशी	रूपकांत
41	भावना	[illegible]

प्राचार्य
Principal
Govt. J.P. Verma P.G. Arts
& Commerce College
Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग ... वाणिज्य महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
क्र. ....
दिनांक ....

संयोजक
डॉ. जयश्री शुक्ल
विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)
शास. जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य
महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय जे.पी. वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

बिलासपुर (छ.ग.) फोन/फैक्स नं.–07752.228225

बिलासपुर, दिनांक 10/03/2023

–: प्रतिवेदन :–

डॉ. सी.वी. रामन् विश्व विद्यालय, कोटा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) भारत में स्थित निजी विश्वविद्यालय है। ऑल इण्डिया सोसाइटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्प्यूटर द्वारा 03 नवम्बर 2006 में इसकी स्थापना की गयी थी।

शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं को डॉ. सी.वी. रामन् विश्व विद्यालय, कोटा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के छत्तीसगढ़ी भाषा एवं हिन्दी विभाग के डॉ. रेखा दुबे एवं डॉ. आंचल के सहयोग से एक दिवसीय शैक्षणिक परिभ्रमण कराया गया। सबसे पहले हमारे विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट सेल का अवलोकन किया प्रो. राशिद खान इस सेल के इन्सट्रक्टर हैं, उन्होंने बताया कि इस सेल में लगभग 60 कम्प्यूटर कार्य कर रहें हैं, रजिस्टर्ड छात्र/छात्राओं को प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र व पं. दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र योजना के तहत् साफ्टवेयर एवं हार्डवेयर प्रोग्राम का ऑनलाइन और ऑफलाइन निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम डिग्री, डिप्लोमा कोर्स संचालित किया जा रहा है, जहाँ विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार इन पाठ्यक्रमों का लाभ लेकर स्वावलम्बी बन सकते है। समय–समय पर प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों के लिए कैम्पस सलेक्शन का भी आयोजन किया जाता है। इस केन्द्र में जॉब रोल में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारत सरकार के निर्देश पर छत्तीसगढ़ प्रदेश में कुल 11 केन्द्र खोले जा चुके हैं। साथ ही देश में कुल 23 केन्द्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन सभी केन्द्रों में भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार योग्य और अनुभवी प्रशिक्षक है। साथ ही कौशल केन्द्रों में उच्च स्तरीय लैब और सुव्यवस्थित क्लास रूम की सुविधा है। प्रशिक्षण में बाद विद्यार्थियों को विभिन्न कम्पनियों में जॉब भी उपलब्ध कराया जाता है। इसी तरह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने प्रदेश का पहला और एकमात्र पं. दीनदयाल कौशल विकास केन्द्र डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय में स्थापित किया है। इस केन्द्र को छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य संसाधन केन्द्र घोषित किया है। डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय में वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र की स्थापना की गई है। कौशल केन्द्र में युवाओं को निःशुल्क डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, कम्प्यूटर हार्डवेयर, असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, ट्रेक्टर ऑपरेटर, जी.एस.टी. एकाउण्ट एक्जीक्यूटिव और एकाउण्ट एक्टीक्यूटीव के आधुनिक तकनीक से परिचित कराया जाता है और इस माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाता है।

इसके पश्चात् हमारे विद्यार्थियों ने प्रो. अनुपम तिवारी के सहयोग से टेक्नालॉजी विभाग का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय में स्वरोजगार एवं उद्यमीशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रामन ग्रीन की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय में हर्बल गार्डन तैयार किया गया है। जिसमें कि दुर्लभ वनौषधियाँ संग्रह किया जाता है एवं सरंक्षण व संवर्धन के लिए विश्वविद्यालय कार्य कर

रहा है। विश्वविद्यालय में पारम्परिक कृषि भी की जा रही है। समस्त जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है और शोधार्थी इसमें रिसर्च कार्य करते हैं। विश्वविद्यालय के ग्रामीण प्रौद्योगिकीय विभाग को भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साईंस एण्ड टेक्नालॉजी द्वारा शोध कार्य के लिए प्रोजेक्ट प्रदान किया गया है। वहाँ हमने देखा कि किस तरह विभाग प्रकृति के सानिध्य में रहकर औषधिक पौधों के उपयोग से हर्बल प्रोडक्ट तैयार कर रहें हैं इन सामग्रियों में हर्बल गुलाल, सिंदूर, साबुन, फिनाइल, हैण्डवाश तथा मल्टीग्रेन्स बिस्किट तैयार किये जा रहे हैं। विद्यार्थी यहाँ से निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने आप को स्वावलम्बी बना सकता हैं ये सारे कार्यक्रम रोजगार परक है। अभी इनका मार्केट भले ही विकसित न हुआ हो परन्तु हमने पाया कि विश्वविद्यालय परिवार इन उत्पादों को बाजार में उतारने के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है।

हमारा अगला पड़ाव 'रेडियो रामन्' आकाशवाणी केन्द्र सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय रहा जहाँ मैनेज़र श्वेता पाण्डेय से हमारी मुलाकात हुई। डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय में 01 मई, 2014 रेडियो रामन् एफ.एम. 90.4 यह छत्तीसगढ़ राज्य का एक मात्र विश्वविद्यालय है, जहाँ सामुदायिक रेडियो की स्थापना की गई है। छत्तीसगढ़ तात्कालीन के राज्यपाल महामहिम शेखर दत्त जी एवं युवा उपन्यासकार चेतन भगत ने भव्य समारोह में इसे ऑनएयर किया था। रेडियों रामन् के लेक्चर के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ ही दूरस्थ वनांचल के ग्रामीण और विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाती है। इसके साथ केन्द्र व राज्य सरकार की जनहित की योजनाओं की जानकारी प्रसारित कर जन–जन तक पहुँचाई जा रही है। विद्यार्थियों को रेडियो रामन् के माध्यम से कैरियर बनाने के लिए मंच प्राप्त हो रहा है दक्ष किया जाता है।

मैडम श्वेता ने हमारे छात्रों को रिकॉडिंग एवं एडीटिंग करने की कार्य प्रणाली से परिचित कराया, हमारे कुछ विद्यार्थियों ने रिकॉर्डिंग भी की, साथ ही हमें यह विकल्प भी प्रदान किया कि हम कभी भी अपने व्याख्यान वहाँ आकर रिकॉर्डिंग रूम में रिकार्ड कर सकते हैं। यहाँ से बाहर आते ही हमारे सामने एक बज बोर्ड 'संजोही' का लगा था, नाम से ही स्पष्ट है ''संजो कर रखने वाली'' इस बदलते परिवेश में जब सब कुछ बदल रहा है तो हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का एक हिस्सा बहुत तेज गति से बदल रहा है।

डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ प्रदेश की लोक कला, संस्कृति एवं साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इसके लिए वर्ष 2019 से प्रतिवर्ष रामन लोककला महोत्सव का आयोजन किया जाता है। जिसमें छत्तीसगढ़ के सभी जिलों, दूरस्थ ग्रामीण अंचल और वनांचलों के लोक कलाकार को मंच प्रदान किया जाता है और वे अपने कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हैं। इस महोत्सव का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और साहित्य संरक्षण के साथ उसके मूलरूप में ही भावी पीढ़ी तक हस्तांतरित उन्हीं का संरक्षण हमने 'संजोही' में देखा। पुरानी बैला गाड़ी, छाकड़ा, कृषि कर्म के सारे यंत्र, लालटेन, डेयरी फार्म आज ज्यादा विकसित रूप में है परन्तु हमने यहाँ पर गौशाला को मनुष्य के जीवन में सहभागी बनाने वाली सारी वस्तुओं का अवलोकन किया, बॉस शिल्प, मिट्टी के बर्तन, पुरानी परम्पराओं वाले आभूषण एवं साथ ही उनका वैज्ञानिक महत्व इन सारे तथ्यों की जानकारी हमें डॉ. अरविंद तिवारी जी से प्राप्त हुई जो 'संजोही' के मैनेजर हैं।

हमारा अगला गतंव्य ललित कला केन्द्र था, जहाँ हमारी मुलाकात कथक नृत्यांगना डॉ. प्रिया श्रीवास्तव जी से हुई। उन्होंने बताया कि ललित कला विषय के माध्यम से पिछले दो सत्रों से नृत्य का प्रशिक्षण ऑनलाइन/ऑफलाइन के माध्यम से संचालित है। इच्छुक विद्यार्थी यहाँ निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। अन्त में हमने डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.बी. दुबे एवं कुलसचिव डॉ. गौरव शुक्ला से सौजन्य मुलाकात की और उन्हें अपने उद्देश्य से परिचित कराया पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का अपेक्षित सहयोग रहा इसके लिए उन्हें शासकीय जमुना प्रसाद वर्मा स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय का हिन्दी विभाग 'आभार' ज्ञापित करता है।

(डॉ. जयश्री शुक्ला)
विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक, हिन्दी
शासकीय जेपी वर्मा स्नातकोत्तर
कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)